



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 157]
No. 157]

नई दिल्ली, मंगलवार, मार्च 20, 2018/फाल्गुन 29, 1939

NEW DELHI, TUESDAY, MARCH 20, 2018/PHALGUNA 29, 1939

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 20 मार्च, 2018

संख्या 11 /2018- सीमा शुल्क (एडीडी)

सा.का.नि. 248(अ).—जहां कि चीन जनवादी गणराज्य (एतश्मिन पश्चात जिसे विषयगत देश से संदर्भित किया गया है) में मूलतः उत्पादित या वहां से निर्यातित “मेलामाइन” जो कि सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की प्रथम अनुसूची के उप शीर्ष 2933 61 00 के अंतर्गत आता है, के आयात के मामले में और अधिसूचना संख्या 15/17/2014-डीजीएडी, दिनांक 05 दिसम्बर, 2015, जिसे 05 दिसम्बर, 2015 को भारत के राजपत्र असाधारण के भाग I, खंड 1 में प्रकाशित किया गया था, कि द्वितीय सनसैट रिव्यू समीक्षा में अपने अंतिम निष्कर्षों में निर्दिष्ट प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि—

- (i) विषयगत देश से विषयगत वस्तु की लगातार भरमार हो रही है।
- (ii) इस भारी आयात से घरेलू उद्योग को क्षति होती जा रही है।
- (iii) प्रतिपाटन शुल्क को वापस लिए जाने या इसको समाप्त किए जाने से विषयगत देश से यहां विषयगत वस्तु की भरमार और उससे घरेलू बाजार को होने वाली क्षति के आगे भी जारी रहने और इसके और भी गंभीर होने की संभावना है।

और विषयगत देश में मूलत उत्पादित या वहां से निर्यातित विषयगत वस्तु के आयात पर निश्चयात्मक प्रतिपाटन शुल्क को जारी रखने की सिफारिश की है;

और जहां कि निर्दिष्ट प्राधिकारी के उपर्युक्त निष्कर्षों के आधार पर भारत सरकार ने भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना संख्या 2/2016-सीमा शुल्क (एडीडी), दिनांक 28 जनवरी, 2016, जिसे सा.का.नि. 122 (अ), दिनांक 28 जनवरी, 2016 के तहत भारत के राजपत्र, असाधारण के भाग II, खंड 3, उप खंड (i) में प्रकाशित किया गया था के द्वारा विषयगत वस्तु पर अनंतिम प्रतिपाटन शुल्क लगाई है।

और जहां कि मैसर्स क्यूटून जिंजिंआग कैमिकल इं.कं.लि. (उत्पादक) ने फौशान कैसिनो बिल्डिंग मैटीरियल कं.लि. (निर्यातक) के माध्यम से सीमा शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान उनका मूल्यांकन तथा उन पर प्रतिपाटन शुल्क का संग्रहण और क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 के नियम 22 के अनुसार उस निर्यात के बारे में समीक्षा करने का अनुरोध किया है जो कि उनके द्वारा

विषयगत माल का निर्यात किया गया है, और निर्दिष्ट प्राधिकारी ने नए शीपर रिव्यू अधिसूचना संघर्ष 7/11/2017-डीजीएडी, दिनांक 01 जनवरी, 2018 जिसे 01 जनवरी, 2018 को भारत के राजपत्र असाधारण के भाग I, खंड 1 में प्रकाशित किया गया था, के द्वारा उन सभी विषयगत वस्तुओं के सभी निर्यातकों के अनन्तिम आंकलन की सिफारिश की है जिसका निर्यात उपर्युक्त पार्टी ने किया है और यह प्रक्रिया तब तक चलती रहेगी जब तक कि इसके द्वारा समीक्षा का कार्य पूरा नहीं हो जाता है।

अतः अब सीमा शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उनका मूल्यांकन और उन पर प्रतिपाटन शुल्क का संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 के नियम 22 के उप नियम (2) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार निर्दिष्ट प्राधिकारी के उपर्युक्त सिफारिशों पर विचार करने के पश्चात एतद्वारा निर्देश देती है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी के द्वारा की जा रही उक्त समीक्षा के परिणाम के आने तक विषयगत वस्तु, जब इनका मूलतः उत्पादन या निर्यात विषयगत देश में मैसर्स क्यूटून जिंजिंआग कैमिकल इं.कं.लि. (उत्पादक) के द्वारा फौशान कैसिनो बिल्डिंग मैटीरियल कं.लि. (निर्यातक) के द्वारा किया जा रहा हो का अनन्तिम आंकलन तब तक कि समीक्षा का यह कार्य पूरा नहीं हो जाता है।

2. यह अनन्तिम आंकलन उस प्रतिभूति या गारंटी के अधीन होगा जिसे सीमा शुल्क का यथोचित अधिकारी यह समझे कि किसी प्रकार की कमी के लिए यह उपर्युक्त है और यदि निश्चयात्मक प्रतिपाटन शुल्क को भूतलक्षी प्रभाव से लागू किया जाता है तो निर्दिष्ट प्राधिकारी के द्वारा की जा रही जांच के पूरा होने के अधीन रहेगी।

3. निर्दिष्ट प्राधिकारी के द्वारा की जा रही उक्त समीक्षा के पूरा होने के पश्चात प्रतिपाटन शुल्क के लगाए जाने की सिफारिश किए जाने पर आयातकर्ता उस प्रतिपाटन शुल्क का भुगतान करने का दायी होगा जो कि विषयगत वस्तुओं के सभी प्रकार के आयात, जब इनका मूलतः उत्पादन या निर्यात विषयगत देश में/से मैसर्स क्यूटून जिंजिंआग कैमिकल इं.कं.लि. (उत्पादक) के द्वारा फौशान कैसिनो बिल्डिंग मैटीरियल कं.लि. (निर्यातक) के द्वारा किया जा रहा हो और उनका भारत में आयात किया जा रहा हो। यह प्रतिपाटन शुल्क उक्त समीक्षा के प्रारंभ होने की तिथी से लागू होगा।

[फा. सं. 354/319/2011—टीआरयू (पार्ट-II)]

रूचि विष्ट, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 20th March, 2018

No. 11/2018-Customs (ADD)

G.S.R. 248(E).—Whereas, in the matter of import of ‘Melamine’ (hereinafter referred to as the subject goods), falling under tariff item 2933 61 00 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), originating in or exported from China PR (hereinafter referred to as the subject country), the designated authority, vide its final findings in the second sunset review notification No.15/17/2014-DGAD, dated the 5th December, 2015, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part I, Section 1, dated the 5th December, 2015, had come to the conclusion that –

- (i) there is continued dumping of the subject goods from the subject country;
- (ii) these dumped imports continue to cause injury to the domestic industry;
- (iii) in the event of revocation or cessation of anti-dumping duties, dumping of subject goods from subject country and injury to domestic market is likely to continue or intensify,

and had recommended continued imposition of definitive anti-dumping duty on imports of the subject goods originating in, or exported from, the subject country.

And Whereas, on the basis of the aforesaid findings of the designated authority, the Central Government had imposed an anti-dumping duty on the subject goods, vide, notification of the Government of

India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No.2/2016- Customs (ADD), dated the 28th January, 2016, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-Section (i), vide number G.S.R. 122 (E) dated the 28th January, 2016;

And Whereas, M/s. Kuitun Jinjiang Chemical Industries Co. Ltd. (producer) through Foshan Kaisino Building Material Co. Ltd. (exporter) have requested for review in terms of rule 22 of the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, in respect of exports of the subject goods made by them, and the designated authority, vide new shipper review notification No.7/11/2017-DGAD, dated 1st January, 2018, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part I, Section 1, dated the 1st January, 2018, has recommended provisional assessment of all exports of the subject goods made by the above stated party till the completion of the review by it;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-rule (2) of rule 22 of the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, the Central Government, after considering the aforesaid recommendation of the designated authority, hereby orders that pending the outcome of the said review by the designated authority, the subject goods, when originating in or exported from the subject country by M/s. M/s. Kuitun Jinjiang Chemical Industries Co. Ltd. (producer) through Foshan Kaisino Building Material Co. Ltd. (exporter) and imported into India, shall be subjected to provisional assessment till the review is completed.

2. The provisional assessment may be subject to such security or guarantee as the proper officer of customs deems fit for payment of the deficiency, if any, in case a definitive antidumping duty is imposed retrospectively, on completion of investigation by the designated authority.

3. In case of recommendation of anti-dumping duty after completion of the said review by the designated authority, the importer shall be liable to pay the amount of such anti-dumping duty recommended on review and imposed on all imports of subject goods when originating in or exported from the subject country by M/s. Kuitun Jinjiang Chemical Industries Co. Ltd. (producer) through Foshan Kaisino Building Material Co. Ltd. (exporter) and imported into India, from the date of initiation of the said review.

[F. No. 354/319/2011-TRU (Pt.-II)]

RUCHI BISHT, Under Secy.